पानी को तरसा सूखा सेमरा, गांव में 'जल उपवास'

गांव में खड़ा 'नीला हाथी' न लगे नल, न मिला जल

लाखों रुपए की लागत से बनाई टंकी, न नल लगे न मिला जल

विदिशा, विदिशा जनपद के तहत आने वाली पंचायत खामखेड़ा गांव में करीब 3 साल पहले पानी की टंकी का निर्माण कराया गया था. जिससे आज तक गांव वालों को पानी नहीं मिला और यह पैसा पानी के नाम पर बर्बाद कर दिया गया. करीब 500 की आबादी वाले इस गांव की खुस किस्मती यह है कि गांव में जमीन जल स्तर अच्छा है और लोगों को भरपूर पानी मिल रहा है व सरकारी हेंडपंप भी पानी दे रहे हैं. लेकिन सवाल यह उठ रहा है कि गांव में 3 साल पहले जो टंकी बनाई गई थी उसे शुरू क्यों नहीं किया गया. जिस समय टंकी का निर्माण किया जा रहा था उस समय सरकारी अफसरों ने वादा किया था कि गांव में नल जल योजना के तहत पानी की टंकी का निर्माण किया जा रहा है. आने वाले दिनों में हर में पाईप लाइन डालकर नल से जल पहुंचाया जाएगा. कई साल बीतने के बाद हालत नहीं बदले. गांव के रहने वाले ललित शर्मा, मोहन सिंह और भारत सिंह ने बताया कि पता नहीं गांव में टंकी का निर्माण क्यो किया गया. न तो पानी की लाइन बिछाई गई और न नल लगाए गए. सरकारी अफसरों ने लाखों रुपए पानी की टंकी के निर्माण पर फूंक दिए है. जिसका गांव वालों को कोई फायदा नहीं हुआ.

खास बातें

- दो महीने से पानी की मांग कर रहे थे ग्रामीण
- आंदोलन के बाद जागा प्रशासन

नवभारत न्यूज

विदिशा 1 जून, जिले के शमशाबाद विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाला ग्राम सूखा सेमरा एक बार फिर अपनी पहचान के अनुरूप भीषण जल संकट से जूझ रहा है. विदिशा मुख्यालय से लगभग 20 किलोमीटर दूर स्थित करीब 700 की आबादी वाले इस गांव में पेयजल की समस्या वर्षों से बनी हुई है.

ग्रामीणों का कहना है कि गांव का नाम ही सूखा सेमरा इसलिए पड़ा क्योंकि यहां कई दशकों से पानी की कमी और सूखे जैसी स्थिति बनी रहती है.

आंदोलन के बाद हरकत में आया प्रशासन

ग्रामीणों के धरने पर बैठने और आंदोलन की खबर फैलने के बाद प्रशासनिक अमला हरकत में आया. विभिन्न विभागों के अधिकारी गांव पहुंचे और ग्रामीणों से चर्चा की. अधिकारियों ने मौके पर स्थिति का जायजा लिया तथा पेयजल संकट के समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया. ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते उनकी मांगों पर ध्यान दिया जाता तो उन्हें आंदोलन का रास्ता नहीं अपनाना पड़ता. हालांकि अधिकारियों द्वारा पानी की व्यवस्था और समस्या के समाधान का भरोसा दिए जाने के बाद ग्रामीणों ने उम्मीद जताई है कि इस बार उनकी समस्या का स्थायी समाधान किया जाएगा.

वर्तमान में गांव में लगे अधिकांश हैंडपंप जवाब दे चुके हैं. ग्रामीणों के अनुसार गांव में केवल दो हैंडपंप ही किसी तरह पानी दे रहे हैं, जबकि अन्य हैंडपंप पूरी तरह सूख चुके हैं. एक हैंडपंप भारतमाला परियोजना के कार्यों के दौरान खराब हो गया, जिसके कारण समस्या और गंभीर हो गई. बढ़ती गर्मी और गिरते भूजल स्तर के बीच पूरे गांव की पेयजल व्यवस्था कुछ सीमित स्रोतों पर निर्भर होकर रह गई है. ग्रामीणों का आरोप है कि उन्होंने अपनी समस्या को लेकर कई बार जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों को अवगत कराया.विधायक, कलेक्टर, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) के अधिकारियों सहित मंत्रियों तक अपनी बात पहुंचाई गई, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका. पिछले दो महीनों से लगातार पानी की मांग किए जाने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, जिससे ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती गई.

महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग भी आंदोलन में हुए शामिल

पानी की किल्लत से परेशान ग्रामीणों ने सोमवार को गांव में 'जल उपवास' शुरू कर दिया. दोपहर करीब तीन बजे गांव के बलराम दांगी और सुरेंद्र दांगी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्रित हुए.आंदोलन में महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग और युवा भी शामिल हुए। ग्रामीणों ने गांव में ही धरने पर बैठकर पेयजल की मांग को लेकर विरोध दर्ज कराया. सत्याग्रह के दौरान ग्रामीणों ने कहा कि पानी जैसी मूलभूत आवश्यकता के लिए उन्हें बार-बार अधिकारियों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं. गर्मी के इस मौसम में पेयजल संकट ने लोगों का जीवन कठिन बना दिया है.कई परिवारों को दूर-दूर से पानी लाना पड़ रहा है, जबकि पशुओं के लिए भी पानी की व्यवस्था करना चुनौती बन गया है.

स्थायी समाधान की मांग

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि गांव में पेयजल के लिए स्थायी व्यवस्था की जाए, नए बोरवेल और हैंडपंप लगाए जाएं तथा खराब पड़े जलस्रोतों को तत्काल दुरुस्त किया जाए। उनका कहना है कि हर वर्ष गर्मी के मौसम में यही स्थिति बन जाती है और केवल आश्वासनों से समस्या का समाधान संभव नहीं है. सूखा सेमरा का यह आंदोलन एक बार फिर ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट की गंभीरता को उजागर करता है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन और संबंधित विभाग ग्रामीणों को दिए गए आश्वासनों को कितनी जल्दी धरातल पर उतार पाते हैं और वर्षों पुरानी इस समस्या का स्थायी समाधान कब तक हो पाता है.

कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम बढ़ाकर सरकार ने महंगाई की एक और चोट दी-अवस्थी

नवभारत न्यूज

विदिशा. लगातार बढ़ रहे व्यावसायिक गैस सिलेण्डर के दामों पर जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता अरुण कुमार अवस्थी ने आलोचना करते हुए इसे महंगाई से जूझ रही जनता पर अतिरिक्त बोझ बताया है.जारी बयान में अवस्थी ने कहा कि 1 जून 2026 से व्यावसायिक गैस सिलेंडर की कीमत में 42 रुपये की वृद्धि की गई है, जिससे छोटे व्यापारियों, होटल संचालकों, ढाबा संचालकों तथा अन्य व्यवसायों पर आर्थिक दबाव बढ़ेगा. उन्होंने कहा कि गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों का असर अप्रत्यक्ष रूप से आम उपभोक्ताओं पर भी पड़ेगा.अरुण कुमार अवस्थी ने कहा कि पेट्रोल, डीजल और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की कीमतों में लगातार वृद्धि के बाद अब व्यावसायिक गैस सिलेंडर के दाम बढ़ाए गए हैं.

5 से 21 जून तक चलेगा विशेष जनसंपर्क महाभियान

भाजपा की जिला कार्यशाला संपन्न

नवभारत न्यूज

विदिशा. भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में एक महत्वपूर्ण जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई. कार्यशाला में 5 जून से 21 जून तक चलने वाले विशेष जनसंपर्क एवं जनकल्याण महाभियान की रूपरेखा तय की गई.

जिला मीडिया प्रभारी डॉ. राहुल जैन ने बताया कि कार्यशाला का शुभारंभ भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया.कार्यशाला को संबोधित करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष महाराज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त किया है. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में दो दशकों से अधिक का उनका सार्वजनिक जीवन निरंतर विकास और सुशासन का प्रतीक रहा है.उन्होंने डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, उज्ज्वला योजना, जी-20 की अध्यक्षता, धारा 370 का निरसन, अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण, नए संसद भवन के निर्माण, वैक्सीन अभियान और चंद्रयान मिशन जैसी उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए इन्हें देश के विकास और आत्मविश्वास का प्रतीक बताया.भाजपा जिला महामंत्री एवं कार्यक्रम संयोजक अनिल सोनकर ने आगामी महाभियान की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि जिलेभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे.उन्होंने बताया कि 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधरोपण कार्यक्रम, 8 से 14 जून तक घर-घर जनसंपर्क अभियान, 11 एवं 12 जून को मीडिया संवाद कार्यक्रम, 12 से 18 जून तक जनकल्याण शिविर एवं उपलब्धियों की प्रदर्शनी, 15 से 18 जून तक सभागार बैठकों का आयोजन, 19 एवं 20 जून को प्राकृतिक खेती विषयक कार्यशालाएं तथा 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर सामूहिक योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे.कार्यशाला में खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के उपाध्यक्ष डॉ. राकेश जादौन, वन विकास निगम के उपाध्यक्ष राममोहन बघेल, जिला पंचायत अध्यक्ष गीता रघुवंशी, जनपद अध्यक्ष वीर सिंह रघुवंशी, आदि उपस्थित रहे.

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर निकाली जागरुकता रैली

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा. विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर अखिल विश्व गायत्री परिवार की बासौदा इकाई द्वारा व्यापक जनजागरण अभियान चलाया गया. गायत्री परिवार के तहसील प्रभारी श्याम सुंदर माथुर एडवोकेट के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में वाहन रैली निकालकर लोगों को तंबाकू और अन्य नशे से दूर रहने का संदेश दिया गया.रैली के दौरान जय स्तंभ चौक, अंबेडकर चौक और रेलवे स्टेशन क्षेत्र में नुक्कड़ सभाएं आयोजित की गईं. इस दौरान मजदूर वर्ग, ऑटो रिक्शा चालकों एवं आम नागरिकों को किसी भी प्रकार का नशा नहीं करने तथा स्वस्थ जीवन अपनाने की सलाह दी गई. साथ ही शांतिकुंज हरिद्वार द्वारा प्रकाशित तंबाकू एवं नशाखोरी के दुष्परिणामों से संबंधित पुस्तिकाओं का नि:शुल्क वितरण किया गया.नशामुक्ति अभियान के जिला प्रभारी रघुवीर सिंह परिहार ने कहा कि किसी भी प्रकार का नशा व्यक्ति, परिवार और समाज के लिए हानिकारक है. नशे की वजह से न केवल परिवार बर्बाद हो रहे हैं.

आवारा कुत्तों का आतंक, युवक पर झुंड ने किया हमला

नगर में बढ़ती कुत्तों की संख्या बनी चिंता का विषय

पार्षद पहले भी उठा चुके हैं मुद्दा

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा. नगर में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है. गली-मोहल्लों, चौक-चौराहों और प्रमुख मार्गों पर घूम रहे कुत्तों के झुंड आम लोगों के लिए परेशानी का कारण बनते जा रहे हैं. ताजा घटना में बरेठ रोड पर एक युवक पर कुत्तों के झुंड ने हमला कर उसे लहूलुहान कर दिया.

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवक सड़क से गुजर रहा था, तभी अचानक कुत्तों का झुंड उसके पीछे पड़ गया और उस पर हमला कर दिया. हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया. स्थानीय लोगों ने तत्काल उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार कर आवश्यक इंजेक्शन लगाए गए.स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नगर के कई क्षेत्रों में बीमार, खाजग्रस्त और आक्रामक कुत्तों के झुंड घूमते रहते हैं. विशेष रूप से रात्रि के समय विद्युत कटौती के दौरान कुत्ते सड़क किनारे बैठे रहते हैं और राहगीरों पर झपट पड़ते हैं. इससे लोगों में भय का माहौल बना हुआ है.युवक पर हुए हमले के बाद नागरिकों ने नगर पालिका प्रशासन से आवारा कुत्तों की समस्या के स्थायी समाधान की मांग की है. लोगों का कहना है कि छोटे-छोटे मुद्दों पर प्रचार-प्रसार किया जाता है, लेकिन जनसुरक्षा से जुड़े ऐसे गंभीर विषयों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है. नागरिकों ने शीघ्र विशेष अभियान चलाकर आवारा कुत्तों की संख्या नियंत्रित करने और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है.

नगर पालिका की बैठकों में उठ चुका है मुद्दा

आवारा कुत्तों की समस्या को लेकर नगर पालिका परिषद की बैठकों में कई बार चर्चा हो चुकी है. वार्ड क्रमांक 22 के पार्षद जोहैब हसन ने परिषद की बैठक में इस विषय को प्रमुखता से उठाते हुए बताया था कि उनके वार्ड में बड़ी संख्या में कुत्ते घूमते हैं. क्षेत्र में मांस, मछली और हड्डियों के अवशेष मिलने के कारण कुत्तों का जमावड़ा बना रहता है, जिससे लोगों पर हमले की घटनाएं बढ़ रही हैं.पार्षद ने कहा था कि ये कुत्ते कई लोगों को काट चुके हैं और स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है. उन्होंने नगर पालिका से प्रभावी कार्रवाई की मांग करते हुए कहा था कि लंबे समय से कुत्तों की संख्या नियंत्रण के लिए कोई विशेष अभियान नहीं चलाया गया, जिसके कारण उनकी संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है.

मंदिर में प्रवेश से रोके जाने का आरोप, दलित युवक ने लगाई न्याय की गुहार , तहसीलदार बोले- निष्पक्ष जांच होगी

नवभारत न्यूज

विदिशा, चिड़ोरिया में एक दलित युवक ने मंदिर में प्रवेश से रोके जाने और जातिगत भेदभाव किए जाने का आरोप लगाते हुए प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है. युवक ने तहसीलदार को आवेदन सौंपकर मामले में एससी-एसटी एक्ट के तहत कार्रवाई की मांग की है. शिकायत में यह भी कहा गया है कि थाने में शिकायत देने के बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई. चिड़ोरिया के रहने वाले वीर सिंह अहिरवार ने अपने आवेदन में बताया कि गांव के हनुमान मंदिर में भागवत कथा का समापन और भंडारा आयोजित किया गया था. वह भी भंडारे में शामिल होने पहुंचे थे. आरोप है कि वहां उन्हें अन्य लोगों से अलग बैठाया गया. इसके बाद जब वह मंदिर में दर्शन करने पहुंचे तो कुछ लोगों ने उन्हें रोक दिया.

घायल गौवंश के इलाज के लिए रात्रिकालीन सेवा शुरू करने की मांग

नवभारत न्यूज

विदिशा. शहर में सड़क दुर्घटनाओं और आवारा कुत्तों के हमलों में घायल हो रहे गौवंश के समुचित उपचार की मांग को लेकर गौसेवकों ने सोमवार को डिप्टी कलेक्टर नितिन कुमार जैन को ज्ञापन सौंपा. ज्ञापन के माध्यम से कलेक्टर से रात्रिकालीन पशु चिकित्सा सेवा शुरू करने की मांग की गई.

गौसेवकों ने बताया कि रात के समय घायल गौवंश की सूचना पशु चिकित्सा विभाग को देने पर कई बार अधिकारी और कर्मचारी फोन नहीं उठाते अथवा मौके पर समय पर नहीं पहुंचते. इसके कारण घायल पशुओं को तत्काल उपचार नहीं मिल पाता और कई मामलों में उनकी मौत हो जाती है.ज्ञापन में कहा गया कि आगामी वर्षा ऋतु के दौरान सड़क दुर्घटनाओं और अन्य कारणों से घायल होने वाले गौवंश की संख्या बढ़ सकती है. ऐसे में पशुओं के जीवन की रक्षा के लिए रात्रिकालीन आपातकालीन चिकित्सा सेवा की व्यवस्था आवश्यक है.

गौसेवकों ने रखीं प्रमुख मांगें

गौसेवकों ने प्रशासन से मांग की कि जिले में 24 घंटे संचालित होने वाली पशु चिकित्सा हेल्पलाइन शुरू की जाए. इसके अलावा रात्रिकालीन ड्यूटी रोस्टर तैयार कर पशु चिकित्सकों और कर्मचारियों के मोबाइल नंबर सार्वजनिक किए जाएं, ताकि जरूरत पड़ने पर तत्काल संपर्क किया जा सके.उन्होंने यह भी मांग की कि सूचना मिलने के बाद चिकित्सा दल तत्काल मौके पर पहुंचे और घायल पशुओं का उपचार सुनिश्चित किया जाए. साथ ही लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए.ज्ञापन सौंपने वालों में सुरेन्द्र कुशवाह, राजा राजपूत, अरुण शर्मा, पवन नामदेव, सचिन प्रजापति, महेश शर्मा, अजय कीर सहित अन्य गौसेवक शामिल रहे. डिप्टी कलेक्टर नितिन कुमार जैन ने ज्ञापन प्राप्त कर मामले में उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया.

अधिवक्ता पर हमले से खफा वकीलों ने की एसपी से मुलकात

नवभारत न्यूज

विदिशा, जिला अभिभाषक संघ के अध्यक्ष संतोष शर्मा ने बताया कि यह घटना 29 मई को गुलाबगंज तहसील क्षेत्र के एक गांव में हुई थी. अधिवक्ता पवार वहां सीमांकन कार्य के दौरान पहुंचे थे, तभी कुछ लोगों ने उन पर हमला कर दिया. इस हमले में उनके सिर पर गंभीर चोटें आईं और सात टांके लगाने पड़े. अध्यक्ष शर्मा ने आरोप लगाया कि घायल अधिवक्ता द्वारा गुलाबगंज थाने में एफआईआर दर्ज कराने के बाद पुलिस ने आरोपी पक्ष के साथ मिलकर उनके खिलाफ भी क्रॉस मामला दर्ज कर लिया. संघ का मानना है कि यह वास्तविक आरोपियों को बचाने और मामले को प्रभावित करने का प्रयास है. अभिभाषक संघ ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर राघवेंद्र सिंह पवार पर दर्ज प्रकरण की निष्पक्ष जांच, क्रॉस एफआईआर की समीक्षा और हमले के आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है.इसके अतिरिक्त, मेडिकल परीक्षण के आधार पर प्रकरण में गंभीर धाराएं जोड़ने की भी मांग की गई है.

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विभिन्न समस्याओं को लेकर सौंपा ज्ञापन

नवभारत न्यूज

नटेरन. मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहित रघुवंशी के नेतृत्व में नटेरन कांग्रेस कार्यालय में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की बैठक आयोजित की गई. बैठक को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहित रघुवंशी ने ब्लॉक समन्वयक एवं मंडलम स्तर के संगठन की संरचना और कार्यप्रणाली की जानकारी दी.

उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से गांव-गांव संगठन को मजबूत बनाने और आम जनता की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने का आह्वान किया. इस दौरान कार्यकर्ताओं को संगठन सुदृढ़ करने का संकल्प भी दिलाया गया.बैठक में बूथ स्तर पर कांग्रेस की सक्रियता बढ़ाने, संगठन विस्तार करने, किसानों एवं आम नागरिकों की समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाने तथा पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने पर विस्तार से चर्चा की गई. उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने संगठन को और अधिक सशक्त बनाने तथा जनता की आवाज बुलंद करने का संकल्प लिया.बैठक के पश्चात जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहित रघुवंशी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता नटेरन एसडीएम कार्यालय पहुंचे, जहां क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं एवं किसानों से जुड़े मुद्दों को लेकर कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा गया. ज्ञापन नायब तहसीलदार पियूष जैन को सौंपकर समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की गई.

लापरवाही | **नदी का सीना चीरकर निकाली जा रही रेत, जिम्मेदार विभाग बने मूकदर्शक**

कलेक्टर के आदेश हवा! जनपद अध्यक्ष के गांव में धड़ल्ले से निकाली जा रही रेत

नवभारत न्यूज

विदिशा, जिले में अवैध रेत उत्खनन रोकने के लिए प्रशासनिक स्तर पर लगातार दावे किए जाते हैं, लेकिन जनपद अध्यक्ष के गांव ईकोदिया में हालात कुछ और ही कहानी बयां कर रहे हैं.यहां गांव से करीब आधा किलोमीटर दूर नदी क्षेत्र में कथित रूप से धड़ल्ले से रेत उत्खनन जारी है. ग्रामीणों का आरोप है कि कलेक्टर के सख्त निर्देशों और प्रशासनिक आदेशों के बावजूद नदी से लगातार रेत निकाली जा रही है, जिससे प्रशासनिक कार्रवाई पर सवाल खड़े हो रहे हैं. ग्रामीणों का कहना है कि नदी से ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के माध्यम से लगातार रेत का परिवहन किया जा रहा है. क्षेत्र के लोगों का आरोप है कि यह कोई छिपा हुआ काम नहीं, बल्कि खुलेआम हो रही गतिविधि है, जिसे हर कोई देख सकता है। इसके बावजूद खनिज विभाग, राजस्व अमला और स्थानीय प्रशासन की ओर से कोई प्रभावी कार्रवाई नजर नहीं आ रही. लगातार रेत निकासी से नदी के अस्तित्व पर संकट गहराने लगा है. जानकारों का मानना है कि अनियंत्रित उत्खनन से नदी का प्राकृतिक संतुलन बिगड़ता है, जलस्तर प्रभावित होता है और बरसात के समय कटाव का खतरा बढ़ जाता है. इसके बावजूद जिम्मेदार विभागों की चुप्पी लोगों को हैरान कर रही है. यहां पर रविवार को पांच ट्रेक्टर ट्रालिया खड़ी हुई थी और कई जगहों पर रेत छानने वाले छलने लगे हुए थे. कई मजदूर गड्डों में रेत निकाल कर अलग अलग जगह पर स्टाक कर रहे थे. यहां काम करने वाले एक मजदूर ने बताया कि एक ट्राली को भरने के लिए 1500 रुपए मिलते हैं. दो दिन में एक ट्राली भर पाते हैं जबकि बाजार में एक ट्राली रेत करीब 8 हजार में बेंची जा रही है. इस तरह से मजदूरों को शोषण भी हो रहा है.

कलेक्टर के निर्देशों के बावजूद उठ रहे सवाल

जिले में अवैध खनन और रेत उत्खनन पर रोक लगाने के लिए समय-समय पर कलेक्टर द्वारा सख्त निर्देश जारी किए जाते रहे हैं. इसके बावजूद ईकोदिया में सामने आए आरोपों ने प्रशासनिक निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं. ग्रामीणों का कहना है कि यदि प्रशासन और खनिज विभाग नियमित रूप से निगरानी कर रहे हैं तो फिर नदी क्षेत्र में रेत निकासी की गतिविधियां कैसे जारी हैं. लोगों का आरोप है कि कलेक्टर के आदेशों का जमीनी स्तर पर पालन होता नजर नहीं आ रहा, जिससे अवैध उत्खनन करने वालों के हौसले बुलंद हैं.

सरपंच बोले- मुझे इसकी जानकारी नहीं

जब इस मामले में ग्राम पंचायत ईकोदिया के सरपंच से चर्चा की गई तो उन्होंने किसी भी प्रकार के रेत उत्खनन की जानकारी होने से इनकार कर दिया. सरपंच का कहना था कि उन्हें इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है. वहीं ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन को मौके पर पहुंचकर निष्पक्ष जांच करानी चाहिए, ताकि पूरे मामले की वास्तविक स्थिति सामने आ सके और यदि कोई अनियमितता पाई जाती है तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा सके.